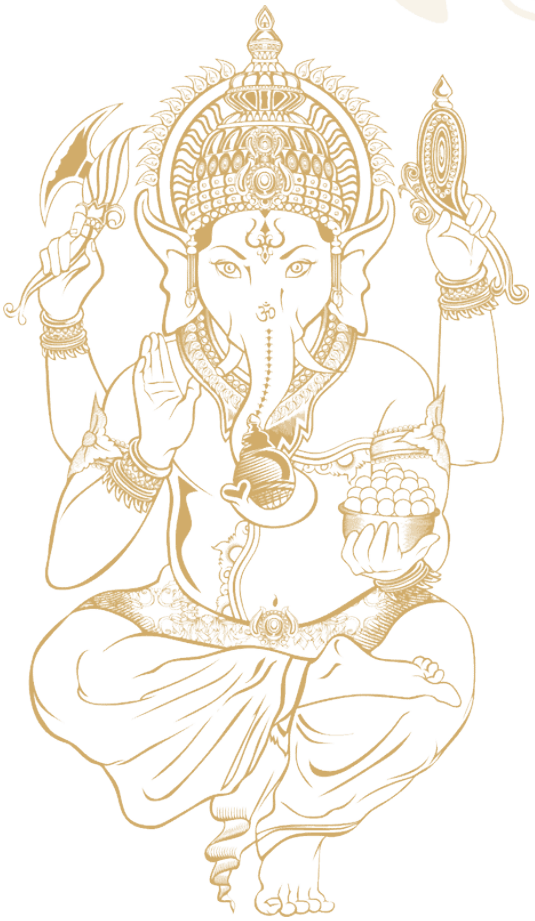

yuvika

12 Apr 2020

08:32 PM

Ghaziabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121782504

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/04/2020**
दिन	रविवार
जन्म समय	**20:32:00 घंटे**
इष्ट	36:25:01 घटी
स्थान	**Ghaziabad**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	28:40:00 उत्तर
रेखांश	77:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:11:44 घंटे
वेलान्तर	-00:00:42 घंटे
साम्पातिक काल	09:36:50 घंटे
सूर्योदय	05:57:59 घंटे
सूर्यास्त	18:44:27 घंटे
दिनमान	12:46:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:01:35 मीन
लग्न के अंश	22:57:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	22:57:02	307:26:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
सूर्य			मीन	29:01:35	00:58:49	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	00:45:16	13:38:17	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	सम राशि
मंगल			मक	14:45:53	00:41:42	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
बुध			मीन	08:08:56	01:37:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मक	01:32:26	00:05:43	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृष	13:26:22	00:47:35	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि			मक	07:09:56	00:02:44	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	स्वराशि
राहु	व		मिथु	07:29:19	00:00:38	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	07:29:19	00:00:38	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	उच्च राशि
हर्ष			मेष	11:40:15	00:03:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप			कुंभ	25:32:00	00:01:58	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:48:52	00:00:23	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कर्क	27:41:56	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:07

लग्न-चलित

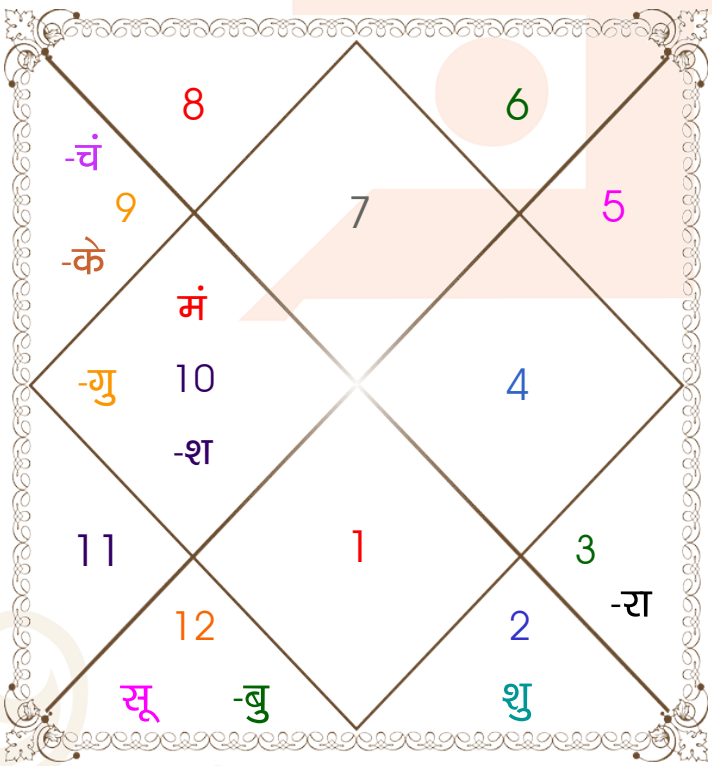

चन्द्र कुंडली

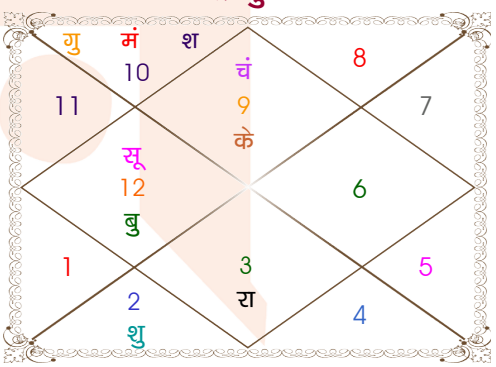

नवमांश कुंडली

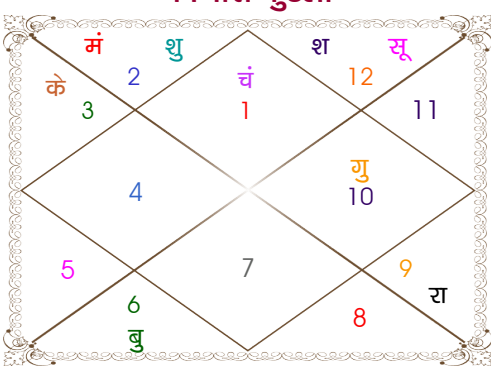

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 6 वर्ष 7 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/04/2020		19/11/2026		19/11/2046		19/11/2052		19/11/2062	
19/11/2026		19/11/2046		19/11/2052		19/11/2062		19/11/2069	
केतु	17/04/2020	शुक्र	21/03/2030	सूर्य	09/03/2047	चंद्र	19/09/2053	मंगल	18/04/2063
शुक्र	17/06/2021	सूर्य	21/03/2031	चंद्र	08/09/2047	मंगल	20/04/2054	राहु	05/05/2064
सूर्य	23/10/2021	चंद्र	19/11/2032	मंगल	13/01/2048	राहु	20/10/2055	गुरु	11/04/2065
चंद्र	24/05/2022	मंगल	19/01/2034	राहु	07/12/2048	गुरु	18/02/2057	शनि	21/05/2066
मंगल	20/10/2022	राहु	19/01/2037	गुरु	25/09/2049	शनि	20/09/2058	बुध	18/05/2067
राहु	08/11/2023	गुरु	20/09/2039	शनि	07/09/2050	बुध	19/02/2060	केतु	14/10/2067
गुरु	13/10/2024	शनि	19/11/2042	बुध	15/07/2051	केतु	19/09/2060	शुक्र	13/12/2068
शनि	22/11/2025	बुध	19/09/2045	केतु	20/11/2051	शुक्र	21/05/2062	सूर्य	20/04/2069
बुध	19/11/2026	केतु	19/11/2046	शुक्र	19/11/2052	सूर्य	19/11/2062	चंद्र	19/11/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
19/11/2069		20/11/2087		21/11/2103		20/11/2122		21/11/2139	
20/11/2087		21/11/2103		20/11/2122		21/11/2139		00/00/0000	
राहु	01/08/2072	गुरु	07/01/2090	शनि	23/11/2106	बुध	18/04/2125	केतु	13/04/2140
गुरु	26/12/2074	शनि	20/07/2092	बुध	03/08/2109	केतु	15/04/2126		00/00/0000
शनि	01/11/2077	बुध	26/10/2094	केतु	11/09/2110	शुक्र	13/02/2129		00/00/0000
बुध	20/05/2080	केतु	02/10/2095	शुक्र	11/11/2113	सूर्य	21/12/2129		00/00/0000
केतु	08/06/2081	शुक्र	02/06/2098	सूर्य	24/10/2114	चंद्र	22/05/2131		00/00/0000
शुक्र	08/06/2084	सूर्य	21/03/2099	चंद्र	24/05/2116	मंगल	18/05/2132		00/00/0000
सूर्य	02/05/2085	चंद्र	21/07/2100	मंगल	03/07/2117	राहु	06/12/2134		00/00/0000
चंद्र	01/11/2086	मंगल	27/06/2101	राहु	09/05/2120	गुरु	13/03/2137		00/00/0000
मंगल	20/11/2087	राहु	21/11/2103	गुरु	20/11/2122	शनि	21/11/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 6 वर्ष 7 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के संयोजन से मेदिनीय क्षितिज पर जन्मकाल मेष नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण से यह स्मरणीय है कि आप अत्यंत आलसी प्रवृति की प्राणी हैं। इसके प्रभाव से यह भी स्पष्ट है कि आपका भविष्य ईश्वर की अनुकंपा से सांसारिक सुखों से युक्त एवं आप विलासप्रिय जीवन व्यतीत करेंगी।

आप धन संचित करने के लिए अन्य की अपेक्षा अति अनुकूल तरीके से प्रस्तुत होंगी। इस बात से यह भी स्पष्ट है कि आपमें धनोपार्जन के सभी दाव पेंच विद्यमान है। साथ ही आप दो पक्ष को कलह की स्थिति में लाकर अपना लाभ प्राप्त करेंगी। आप मुख्य रूप से अपनी आयु के प्रथम 21 वें वर्ष से 38 वें वर्ष तक 34 वे वर्ष के समयावधि में बहुत धन उपार्जन करेंगी।

आप अनुचित तरीके से बहुसंख्यक व्यक्तियों पर अहंकार की भावना से अधीर होकर आक्रमणकारी रूख आपना कर उसे तंग करने की प्रवृति रखेंगी। अधिकांश व्यक्ति जो आपके संपर्क में आएंगे वे आपकी बचकाना आचरण से अप्रसन्न रह कर आपके शत्रु बन जाएंगे। परंतु आपको अपनी चारित्रिक उच्चता हेतु उत्तम यह है कि आप शक्ति सम्पन्नता प्राप्त करें। अर्थात् मानवीय शक्ति संग्रह करें। तथापि वे लोग आपके स्थायी शत्रु बन ही जाएंगे।

आपका संदिग्ध चरित्र आपकी प्रभावशाली छवि को बेनकाव कर आपको बहुचर्चित एवं कुख्यात प्रदर्शित करेगा। आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को नीति पूर्ण बनाकर व्यवहारणीय बनाएं। अन्यथा आपकी समस्त धारणा कलुषित प्रमाणित होगी।

यदि आपकी ऐसी अभिलाषा है कि आप अपने घरेलू वातावरण एवं अपने परिवारिक जीवन को सुव्यवस्थित रखें तो सदा सर्वदा के लिए कुटनीतिज्ञ तरीके का संपादन करना अनुकूल होगा।

संप्रति आप अति वासना प्रिय महिला हैं। अगर आप अपने जीवन संगी की सभी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकी तथा वातावरण छिन्न भिन्न रहा तो आप संतुष्ट तथा प्रसन्न नहीं रहेंगी। आप सावधानी पूर्वक पारिवारिक एवं घरेलू जीवन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत हो सकता है।

आपके पति आपको सदैव अच्छी प्रकार से प्रसन्न रखेंगे तथा ऐसी आशा है कि आप सदैव अच्छी संतानों का सुख प्राप्त करेंगी।

आप निरंतर कुशलता पूर्वक सक्रिय रहने वाली प्राणी हैं। आप धनोपार्जन हेतु पूर्ण रूपेण लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर अनेक यात्रा करेंगी। आप असामयिक भोजन एवं मद्य पान एवं अति भोजन के कुप्रभाव से कुछ समय के पश्चात आपके उत्तम स्वास्थ्य को प्रभावित कर देगा। आप यदि ऐसा चाहती हैं कि भविष्य में संभावित रोग यथा ट्यूमर, रक्त प्रवाह की न्यूनता संबंधी आदि रोगों से मुक्त रहें तथा मस्तिष्क रोग एवं मूत्र संबंधी रोग की परेशानी से

वंचित रहें तो खान-पान के संबंध में सतर्कता पूर्वक आचरण करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आप अंकों में 3, 5, 6 एवं 9 अंक को छोड़कर 1, 2, 4 एवं 7 अंक का व्यवहार करें क्योंकि ये अंक अनुकूल फलदायी है।

आप रंगों में लाल, नारंगी एवं सफेद रंग को धारण करें तथा रंग पीला एवं हरा रंग आपके लिए त्याज्य हैं।